

डॉ. ब्रूस वाल्टके, भजन, व्याख्यान 10

© 2024 ब्रूस वाल्टके और टेड हिल्डेब्रांट

यह भजन की पुस्तक पर अपने शिक्षण में डॉ. ब्रूस वाल्टके हैं। यह सत्र संख्या 10, भजन 8, स्तुति का एक भजन है। यह भजन 8 की एक प्रदर्शनी होगी।

लेकिन इससे पहले कि हम भजन में उतरें, आइए हम अपने हृदयों को परमेश्वर का वचन सुनने के लिए तैयार करें।

तो, स्वर्गीय पिता, हम एक वर्ग के रूप में आपकी उपस्थिति में आते हैं, यह जानते हुए कि आप हमसे बहुत प्यार करते हैं। आप हमारे लिए मर गए, कि आपने हमें चुना जो हमारी समझ से परे था। हम जानते हैं कि हर अच्छा और उत्तम उपहार आपकी ओर से आता है।

यहां तक कि हमारा विश्वास भी आपसे और उन लोगों से आता है जिन्होंने यह शब्द हम तक पहुंचाया। क्योंकि हम सब किसी न किसी के द्वारा हमारे पास सन्देश लेकर आए। आपका धन्यवाद कि यह सत्य के शब्द के रूप में हमारे पास आया।

परमेश्वर की आत्मा ने हमारे हृदयों से बात की, हमें पाप, धार्मिकता और न्याय के बारे में आश्वस्त किया, और हमें उद्धारकर्ता के पास लाया। आप वह ईश्वर हैं जिसने इन धर्मग्रंथों को प्रकट किया है और आप वह ईश्वर हैं जिन्होंने इन्हें हमें दिया है, जो हमसे प्यार करते हैं, हमें समझने में मदद करते हैं, और उन्हें इस तरह से प्रस्तुत करते हैं जिससे मसीह के नाम पर आपका सम्मान हो। तथास्तु।

ठीक है। हम दृष्टिकोण के उस भाग में हैं जिसे भजनों का आलोचनात्मक दृष्टिकोण कहा जाता है। स्तोत्र का एक प्रकार, एक बहुत ही प्रभावशाली और महत्वपूर्ण प्रकार है स्तोत्र, स्तुति गान।

हमने इसके रूपांकनों को देखा और रूपांकनों की प्रशंसा की जानी चाहिए। हमने अनिवार्यता के बारे में सोचा। परमेश्वर द्वारा हमें स्तुति करने का आदेश देने का क्या अर्थ है? जिस उत्साह के साथ हमें प्रशंसा करनी चाहिए, जिसने वास्तव में प्रशंसा की, गायकों ने, पूरे इज़राइल को।

जैसा कि हमने देखा, यह सारी दुनिया को बुलाता है, लेकिन वह केवल नैतिक लोगों को चाहता है, जो पवित्र आत्मा की शक्ति से आज पवित्र जीवन जीते हैं। वह दुष्टों की प्रशंसा नहीं चाहता। यह उसके लिए घृणित है।

हमने प्रशंसा के कारणों पर गौर किया और वहां हमें संपूर्ण धर्मशास्त्र प्राप्त हुआ। हमने देखा कि धर्मशास्त्र सीखने का क्या अद्भुत तरीका है। यह परमेश्वर के लोगों की ओर से है जो इतिहास के परमेश्वर, परमेश्वर के गुणों का जश्न मना रहे हैं, और इसे परमेश्वर को वापस दे रहे हैं।

यह परमेश्वर के वचन के रूप में हमारे पास वापस आता है। हम धर्मशास्त्र को प्रशंसा के शब्दों में सुनते हैं, जो मुझे लगता है कि धर्मशास्त्र सीखने का सबसे अच्छा तरीका है। हमने देखा कि यह

उनकी असंप्रेषणीय विशेषताओं, उनकी अस्मिता, उनकी अनंतता और जिसे हिर्ष अंडर सक्षमता, उनकी सर्वशक्तिमानता, उनकी सर्वव्यापीता, उनकी सर्वज्ञता कहते हैं, का जश्न मनाता है, जिन पर हम निर्भर हैं, लेकिन हम इसमें भाग नहीं ले सकते हैं।

वे भाग लेने के लिए हमसे संवाद करने योग्य नहीं हैं। लेकिन दूसरी ओर, उसके संचारी गुण हैं, अर्थात् उसकी दया, उसकी विश्वासयोग्यता, उसकी कृपा और प्रेम। ये दोनों मिलकर हमारे उदात्त ईश्वर का निर्माण करते हैं, जहां वह दया या अनुग्रह के बिना सर्वव्यापी और सर्वशक्तिमान है, वह अन्यजातियों के देवताओं की तरह एक निरंकुश भी हो सकता है।

दूसरी ओर, यदि उसमें पूरी कृपा और दया होती, तो उसके पास इसे प्रभावित करने और इसे लाने की शक्ति नहीं होती। तो, यह असंप्रेषणीय और संप्रेषणीय गुणों का यह सुंदर संयोजन है। हमने यहोवा की अतुलनीयता के बारे में बात की।

मेरे विचार से, धर्म के विकास का समाधान बाइबिल धर्मशास्त्र के लिए अनुपयुक्त है। अर्थात्, धर्म बहुदेववाद से केवल एक ईश्वर की पूजा की ओर बढ़ता है जबकि अन्य देवताओं को मान्यता देते हुए एकेश्वरवाद की ओर बढ़ता है। मुझे लगता है कि एक बेहतर समझ धार्मिक कथन कि कोई अन्य भगवान नहीं है और एक धार्मिक कथन के बीच अंतर करना है क्योंकि इस वास्तविकता के कारण कि लोग भ्रम और झूठे देवताओं की पूजा करते हैं।

ईश्वर उन सभी चीजों से अतुलनीय है जिनकी मनुष्य कल्पना कर सकते हैं और वे जो कुछ भी कल्पना करते हैं वह केवल एक भ्रम है। तो, हमने उस बारे में बात की। हमने अन्य गुणों, उसके प्रेम, उसकी वफ़ादारी इत्यादि के बारे में बात की।

बस एक शब्द कहा और वह है सृष्टि का ईश्वर। हमने देखा कि हम उन्हें अपने आस-पास की दुनिया के मिथकों का उपयोग कैसे करने देते हैं। वे उनका उपयोग लाक्षणिक रूप से यह दिखाने के लिए करते हैं कि ईश्वर ही वह है जिसने इसे बनाया है।

वे यह दिखाने के लिए मिथक की भाषा का उपयोग करते हैं कि वह वही है जिसने अराजकता पर विजय प्राप्त की और वह सच्चा भगवान है। हमने सियोन के गीतों के बारे में एक शब्द कहकर अपनी बात समाप्त की और कैसे वहां भी, युगारिटिक पाठ के बारे में जानना उपयोगी है और यह कि बेल का पर्वत माउंट ज़ाफ़ोन है और बाल धर्म में जो माउंट ज़ाफ़ोन था, वह सियोन है। यह अजेय पर्वत है।

यह वह जगह है जहां भगवान मिलते हैं। यह वह जगह है जहां हम पहाड़ पर भगवान से मिलते हैं। यहीं पर उसकी विजय होती है इत्यादि।

लेकिन व्यापक दृष्टिकोण प्राप्त करने के बाद, हमारी पद्धति चीजों को और अधिक संकीर्ण रूप से देखने की है। इसलिए, मैंने विचार करने के लिए प्रशंसा के दो भजन चुने। एक भजन 100 है जिसे हमने पिछले घंटे देखा था और एक बहुत प्रसिद्ध भजन है।

हमने कुछ प्रसिद्ध शब्दों को उठाया और हमने इस बात पर विचार किया कि सारी पृथ्वी को जश्न मनाना है और वे यह जानकर ईश्वर के पास आएंगे कि इज़राइल का ईश्वर ही सच्चा ईश्वर है। उसके लोग उसके चरागाह की भेड़ें हैं और वे पृथ्वी पर परमेश्वर के राज्य के मध्यस्थ हैं। न्यू टेस्टामेंट में एक जबरदस्त परिवर्तन हुआ।

पुराने नियम में अन्यजातियों को परमेश्वर के पास आने के लिए, उन्हें इब्राहीम के पास आना पड़ता था। उन्हें इज़राइल आना पड़ा। उन्हें मंदिर आना था।

पुरानी व्यवस्था में, इज़राइल दुनिया को ईश्वर तक लाने के लिए मिशनरी के रूप में दुनिया में नहीं गया था। राष्ट्र आये और अपने दूतों और अपने राजाओं के माध्यम से प्रतिनिधित्व किया। वे शीबा की रानी की तरह यरूशलेम आएंगे।

उसकी मुलाकात राजा सुलैमान से हुई। प्राचीन दुनिया में, राजदूत आते थे और वे यरूशलेम में होते थे और वे पूजा देखते थे। इज़राइल कह रहा है, सच्चे और जीवित ईश्वर की पूजा में हमारे साथ शामिल हो जाओ।

परन्तु इस्राएल कभी दूसरे देशों के पास नहीं गया। ऐसा नहीं हुआ। उनके पास ऐसी कोई मिशनरी गतिविधि नहीं थी।

आप इसके सबसे करीब योना के साथ आते हैं, जो नीनवे गया और न्याय का उपदेश दिया और लोगों को पश्चात्ताप करने के लिए बुलाया। लेकिन वह अनोखा है। जब आप नए नियम पर आते हैं, तो अब यह बदल जाता है।

अब तुम्हें सारी दुनिया में जाना है और सुसमाचार का प्रचार करना है। हमें सभी लोगों को मध्यस्थ साम्राज्य के बारे में, मध्यस्थ के बारे में बताना है। एक ईश्वर है, ईश्वर और मनुष्य के बीच एक मध्यस्थ है, मनुष्य, ईसा मसीह।

यह दिलचस्प है कि जॉन के सुसमाचार में, यह तब होता है जब यूनानी फिलिप के पास आते हैं और वे फिलिप से कहते हैं, हम यीशु को देखेंगे। यीशु अब जानता है कि उसकी मृत्यु का समय आ गया है। उससे पहले, जॉन के सुसमाचार में, यीशु कहते हैं, मेरा समय अभी तक नहीं आया है।

यह स्पष्ट है कि यीशु एक समय सारिणी पर है। वह जानता है कि वह अपनी मृत्यु की ओर बढ़ रहा है और वह कहता है, मेरा समय अभी तक नहीं आया है। परन्तु जब अन्यजाति आए, और उन्होंने कहा, हम यीशु को देखेंगे, तो उस ने कहा, अब मेरी घड़ी आ पहुंची है।

उसने हमारे प्रभु को कैसे संकेत दिया? उसका समय आ गया था। उसके मरने का समय आ गया था। खैर, सुसमाचार सारे संसार में तब तक नहीं जाएगा जब तक सारे संसार के लिए प्रायश्चित न कर लिया जाए।

तो जॉन की शुरुआत में, जॉन द बैपटिस्ट कहता है, भगवान के मेमने को देखो जो हमें दुनिया के पापों से दूर ले जाता है। तो इसलिए सारी दुनिया के लिए बलिदान दिया गया है। इसलिए पूरी दुनिया को उसके पास आने के लिए, सभी लोगों के लिए प्रायश्चित करना होगा।

इसलिए, पृथ्वी के सभी लोगों के लिए किए गए उस प्रायश्चित के साथ, यीशु कहते हैं, सारी दुनिया में जाओ और सुसमाचार का प्रचार करो। और इसलिए, हम यीशु को दुनिया में लाते हैं। उन्हें हमारे पास आने की ज़रूरत नहीं है, हालाँकि उन्हें आना होगा, लेकिन उस सुसमाचार को पूरी दुनिया में लाने की ज़िम्मेदारी हमारी है।

हम नूह के साथ इसी बारे में बात कर रहे थे कि वह ईश्वर है और उस समय व्यवस्था में कुछ बदलाव आया। अब हम भजन 100 पर हैं और यह आपके नोट्स के पृष्ठ 90 पर है। तो आइए पढ़ते हैं यह अद्भुत स्तोत्र।

यह स्तोत्र में पहला स्तुति स्तोत्र है जिसका परिचय स्तोत्र 1 और 2 देते हैं। भजन 1 दुष्ट द्वार है, हमने कहा, और यह उन लोगों के लिए है जो प्रभु के कानून में प्रसन्न हैं, जो पानी की धाराओं के किनारे लगाए गए पेड़ की तरह हैं। ये वे ही हैं जो व्यवस्था से प्रसन्न होने के कारण धर्मी हैं।

वे एक नई रचना हैं कि वे भजनों में प्रवेश कर सकते हैं। जैसा कि हम कहते हैं, यह दिव्य शहर की ओर ले जाएगा। दूसरा स्तोत्र राज्याभिषेक की प्रार्थना है और हमें स्तोत्र के मुख्य पात्र, जो राजा है, से परिचित कराता है।

और भजन 2 है, कि मैं ने अपने राजा को अपने पवित्र पर्वत सिंघों पर बैठाया है, और वह सारी पृथ्वी पर प्रभुता करेगा। हे मेरे पुत्र, मुझ से मांग, मैं अन्यजातियों को तेरा निज भाग कर दूंगा, और पृथ्वी के छोर तक को तेरी निज भूमि में दे दूंगा। यही परिचय है।

और फिर तुरंत हमें भजन 3 मिलता है। और यह तब होता है जब दाऊद अबशालोम से भाग गया और यह शुरू होता है, हे भगवान, मेरे भगवान, मेरे दुश्मन कितने हैं? कितने लोग मेरे विरुद्ध खड़े हुए? कई लोग कह रहे हैं कि ईश्वर में उसके लिए कोई मुक्ति नहीं है, कोई मोक्ष नहीं है। और इसलिए, वह संकट में है और वह कहता है, हे मेरे परमेश्वर, मुझे इस संकट से छुड़ा। वह भजन 3 है। हम दूसरे दिन भजन 4 देखते हैं, जहां यह सूखे का संकट है और राजा संकट में है।

भजन 5 संकट में है। भजन 6 संकट में है। भजन 7 संकट में है।

और अब हम पहली बार भजन 8 में आए हैं और हम पढ़ते हैं, हे प्रभु, हे प्रभु, तेरा नाम सारी पृथ्वी पर कितना प्रतापी है। और अब हमारे पास परमेश्वर के नाम की स्तुति है। और इसलिए, यह पहला स्तुति स्तोत्र है।

इसलिए, मुझे यह उचित लगा कि हम इस अत्यंत प्रसिद्ध स्तोत्र, इस प्रथम स्तुति स्तोत्र पर भी विचार करें। अब क्या होने वाला है, आपको 9 मिलेंगे और 10 एक विलाप है, 11 थैंक्सगिविंग का एक गीत है, लेकिन बहुत सारे विलाप के साथ, 12 और 13। और फिर आपको 14 मिलेंगे और

यह भजन है जो बोलता है मनुष्य की दुष्टता कैसी है, कोई भलाई करनेवाला नहीं, कोई प्रभु के साम्हने ठीक काम करनेवाला नहीं।

हम सब खट्टे दूध हैं. हम सब भटक गये हैं. वह 14 है.

यह दिलचस्प है क्योंकि 8 और 14 एक दूसरे से मेल खाते हैं। 8 मनुष्य कितना महान हो सकता है. आपने सब कुछ उसके पैरों के नीचे रख दिया है और 14 मानवता कितनी भयानक है।

फिर 15 से 24 अपनी एकता बनाते हैं। फिर, मैं उस पर बाद में चर्चा करूंगा जब मैं स्तोत्र के संपादन के बारे में बात करूंगा। लेकिन मैं आपको यह अहसास दिलाने की कोशिश कर रहा हूँ कि इस समय आप भजनों में कहां हैं।

तो, यह भजन 8 है। भगवान, यह यहोवा है, Tetragrammaton। हम इसे टेट्राग्रामटन कहते हैं क्योंकि यह चार व्यंजन YHWH है। और हम सोचते हैं कि स्वर AEYAHWEH हैं।

तो यह यहोवा है, लेकिन सामान्य रूप से भगवान द्वारा अनुवादित किया गया है। और फिर हमारे भगवान को लोअरकेस में, जो कि पहला है, अडोनाई कहा जाता है और इसका उच्चारण अडोनाई किया जाता है। और स्वामी से इसका अर्थ है, हमारा स्वामी।

हे प्रभु, हे हमारे प्रभु, तेरा नाम सारी पृथ्वी पर कितना प्रतापी है। तू ने अपना वैभव स्वर्ग पर स्थापित किया है। बच्चों और दूध पीते बच्चों के मुँह से तू ने अपने शत्रुओं के कारण शत्रु और पलटा लेनेवालों को नाश करने की शक्ति की नींव डाली है।

जब मैं आपके स्वर्ग, आपकी उंगलियों के काम, चंद्रमा और सितारों पर विचार करता हूँ, जिन्हें आपने स्थापित किया है, तो एक साधारण इंसान क्या है कि आप उसके प्रति सचेत हैं, एक सामान्य इंसान क्या है कि आप उसकी परवाह करते हैं? तू ने उसे स्वर्गीय प्राणियों से एक छोटी सी चीज़ की कमी कर दी और तू ने उसे महिमा और सम्मान का ताज पहनाया। तू उसे अपने हाथ के कामों पर प्रभुता करने के लिये उकसाता है। तू ने सब कुछ उसके पांवों के नीचे कर दिया, सब भेड़-बकरियां, गाय-बैल, यहां तक कि जंगली जानवर, आकाश के पक्षी, समुद्र की मछलियां, और समुद्र में तैरनेवाले भी।

हे प्रभु, हे हमारे प्रभु, तेरा नाम सारी पृथ्वी पर कितना प्रतापी है। पृष्ठ 90 पर, अगला पृष्ठ, मुझे लगता है कि यह पृष्ठ 90 है। मेरे पास इस कविता के अनुवाद पर चर्चा है, इब्रानियों के लेखक द्वारा इब्रानियों के अध्याय दो में यीशु के संदर्भ में इस कविता का उपयोग, जहां हमें बताया गया है तू ने उसे स्वर्गदूतों से कुछ ही कम किया, वरन थोड़े समय के लिये स्वर्गदूतों से कुछ ही कम किया।

भजन के हमारे अध्ययन में इस बिंदु के लिए यह थोड़ा बहुत उन्नत है, लेकिन वहां मैं ग्रीक और हिब्रू पाठ के बीच अंतर और इब्रानियों के लेखक हमारे प्रभु के करियर को संदर्भित करने के लिए क्या कर रहा है, इस पर चर्चा कर रहा हूँ। मैं तुरंत ऐसा नहीं करना चाहता. तो मैं उसे छोड़ दूंगा।

हम इसके लिए तैयार नहीं हैं। ठीक है। फिर मैं पृष्ठ 91 पर आता हूँ।

यहां मेरी मुख्य चिंता यह है कि व्याख्या के विवरण में जाने से पहले हमारे दिमाग में एक बुनियादी संरचना होती है। इसलिए, मैं मुख्य रूप से पृष्ठ नौ के शीर्ष पर दी गई बयानबाजी, अर्थात् भजन की संरचना के बारे में चिंतित हूँ। इस स्तोत्र में वह है जिसे हम समावेशन कहते हैं, इसके विषय का समावेश।

इसका आरंभ इस प्रकार होता है, हे प्रभु, हे हमारे प्रभु, तेरा नाम सारी पृथ्वी पर कितना प्रतापी है। और इसका अंत इस प्रकार होता है, हे प्रभु, हे हमारे प्रभु, तेरा नाम सारी पृथ्वी पर कितना प्रतापी है। इसलिए प्रशंसा के आह्वान के बजाय, यह प्रशंसा की घोषणा है।

यह थोड़ा अलग है। स्तोत्रों के अध्ययन के बारे में एक बात, यह आपको चौंकाती है, यह वास्तव में स्तुति की घोषणा है कि सारी पृथ्वी अब प्रभु की स्तुति कर रही है। यह थोड़ा अलग है।

प्रभु की स्तुति करने के लिए पृथ्वी को बुलाने के बजाय, सारी पृथ्वी स्तोत्र की मुद्रा में प्रभु के नाम की स्तुति कर रही है। यही विषय है। अब विषयवस्तु को दो छंदों में विकसित किया गया है।

दोनों छंद बारी-बारी से समानता में हैं। सबसे पहले, वह सृष्टि, सृष्टि के क्रम और सृष्टि में ईश्वर की महिमा के बारे में बात करते हैं। फिर वह उससे हटकर इतिहास के क्रम, मुक्ति के क्रम और कैसे ईश्वर पृथ्वी से बुराई को समाप्त करता है, की ओर बढ़ता है।

तो, यह सृष्टि में ईश्वर की महिमा है और इतिहास में ईश्वर की महिमा है और वह श्लोक तीन के अंत में दुश्मन और बदला लेने वाले को कैसे खत्म करता है। फिर हम वापस आते हैं और फिर से, हमारे पास भगवान की महिमा है। जब मैं स्वर्ग, आपकी उंगलियों के काम, सितारों के चंद्रमा आदि पर विचार करता हूँ, तो यह सृष्टि की महानता है।

फिर वह मनुष्य ही है जो उस पर शासन करता है और हर चीज़ को अपने प्रभुत्व में लाता है। तो, हम सृजन के क्रम से मुक्ति के क्रम की ओर जाते हैं और फिर रात्रि के आकाश में और अधिक विस्तार के साथ सृजन के क्रम की ओर बढ़ते हैं। तब मानवजाति की मुक्ति का आदेश सब कुछ उसके चरणों के प्रभुत्व के अधीन लाता है।

तो, आप देख सकते हैं कि यह मूलतः भजन की संरचना है। मैं चियास्म को छोड़ कर सीधे प्रदर्शनी के लिए पृष्ठ 92 पर जा रहा हूँ। इसलिए यहां मैं बस शब्द दर शब्द जा रहा हूँ, जैसा कि मैं आमतौर पर इसे समझने के लिए करता हूँ।

हम पहले ही प्रभु, मैं हूँ, याह्वेह पर चर्चा कर चुके हैं, और मुझे दोबारा ऐसा करने की आवश्यकता नहीं है। ध्यान दें कि यह हमारा है, कि सभी राष्ट्रों को उनके साथ जुड़ना चाहिए, इज़राइल, जैसा कि हमने पिछली बार किया था, जानें कि भगवान ने हमें बनाया है। तो हे प्रभु, हमारे प्रभु परमेश्वर के लोग इसकी स्तुति कर रहे हैं।

आप भजन में बाद में देख सकते हैं, हम अपने से राजा की ओर बढ़ते हैं। जब मैं विचार करता हूँ तो यह दूसरा श्लोक है। तो, वह आई एम, हमारे संप्रभु, हमारे स्वामी से आगे बढ़ता है।

अतः मनुष्य में चाहे जितनी भी महिमा हो, वह प्रभु का सेवक है। वह इस स्वीकारोक्ति के द्वारा अपना कार्य पूरा करता है कि वह व्यापक अर्थों में भगवान की सेवा करता है, और भगवान उसका स्वामी है। हमने आखिरी घंटे के बारे में बात की।

जब वह कहता है, कितना राजसी है, यह आपके पृष्ठ, पृष्ठ 92 में है, तो मैं शब्द को परिभाषित करता हूँ। इसका अर्थ है पराक्रमी या शक्ति में वैभव। इसका उपयोग लाल सागर में किया जाता है।

इसका उपयोग तूफ़ान और समुद्र पर उसके प्रभुत्व के लिए किया जाता है। यह उसके दाहिने हाथ का प्रयोग है जिसने मिस्र द्वारा चुने गए सैनिकों को चकनाचूर कर दिया। तो, यह अदीर शब्द, कितना राजसी है, आपके दुश्मनों को हराने में आपका नाम कितना शक्तिशाली है।

आपका नाम कितना राजसी है? क्योंकि इस स्तोत्र में, वह अपने शत्रुओं को परास्त करेगा और सब कुछ अपने लोगों के पैरों के नीचे लाकर उन पर शासन करेगा। अतः अदीर कितना राजसी है इसके लिए उपयुक्त शब्द है। मुझे लगता है कि आप समझ सकते हैं कि मैं हिब्रू प्रोफेसर क्यों बना।

जब मैंने कहा, मैंने धर्मशास्त्र में जाना शुरू किया तो मुझे एहसास हुआ कि सब कुछ शब्दों में बदल गया। तभी मैं भाषाओं में लीन हो गया क्योंकि मैं देख सकता था कि जब तक मैं यह नहीं जानता कि शब्दों का क्या मतलब है, मैं इसे सटीकता से या चालाकी से नहीं संभाल सकता। मैं जानता था कि भाषाओं के साथ कैसे काम करना है।

तो मैं यहाँ यही कर रहा हूँ। हम धर्मशास्त्र सीख रहे हैं, लेकिन हम इसे दूसरे स्तर पर सीख रहे हैं जहाँ बहुत से लोग जाना नहीं चाहते हैं। ऐसे बहुत से छात्र हैं जो हिब्रू भाषा को उगलते हैं और हिब्रू का मज़ाक उड़ाते हैं।

मुझे लगता है कि यह संभवतः प्रोफेसर की गलती है जो उन्हें यह स्पष्ट नहीं करते कि वे जो पढ़ रहे हैं उसका मूल्य क्या है इत्यादि। आज नाम, उसका नाम राजसी है। आज मैं कहता हूँ कि उसका नाम पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा है।

वहाँ मैं सीईजी कॉर्ड और उसकी एकता और उसके नाम द्वारा ट्रिनिटी का वर्णन करता हूँ। हम पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा द्वारा उसके नाम की महिमा करते हैं। हम पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा के नाम पर बपतिस्मा देते हैं।

यही वह नाम है जिसके द्वारा हम त्रय ईश्वर में बपतिस्मा लेते हैं क्योंकि यह उनके रहस्योद्घाटन का अंतिम उत्पाद है। मुझे लगता है कि मुझे वहाँ और कुछ कहने की जरूरत नहीं है। अब हमारे पास कुछ प्रतिबिंब है।

मैंने यहां कुछ अलग ढंग से किया है, केवल सख्ती से व्याख्या करने के बजाय, मैं थोड़ा प्रतिबिंबित कर रहा हूं और दिखा रहा हूं कि यह कितना आवश्यक है कि हम भगवान के नाम की स्तुति करें। मैं एक बहुत ही मौलिक बात कहने जा रहा हूं। यदि हम परमेश्वर की स्तुति नहीं करेंगे तो वह मर जायेगा।

यह बहुत क्रांतिकारी है। मुझे अपने आप को समझाने दीजिए क्योंकि आप जानते हैं, मैं वास्तव में उस पर विश्वास नहीं करता, लेकिन साथ ही यह सच भी है। यह एक अच्छा विरोधाभास है।

मैं इसे समझाऊंगा। कुछ दार्शनिक मददपूर्वक सत्तामूलक ज्ञान और ज्ञानमीमांसीय ज्ञान के बीच अंतर करते हैं। तो, हो सकता है कि हम कुछ हद तक दर्शनशास्त्र में पीछे जा रहे हों, लेकिन मेरे साथ बने रहें।

यह समझना आपके लिए उपयोगी हो सकता है कि मैं क्यों कह रहा हूं, कि यदि हम परमेश्वर की स्तुति नहीं करेंगे, तो वह मर जाएगा। ऑन्टोलॉजिकल ज्ञान वह तरीका है जिससे चीजें वास्तव में होती हैं। ज्ञानमीमांसीय ज्ञान वह तरीका है जिससे मनुष्य जानता है।

यह हमेशा सापेक्ष होता है। सत्तामीमांसक ज्ञान पूर्ण और निश्चित है। ज्ञानमीमांसीय ज्ञान सदैव अधूरा होता है।

तो, मैं समझाता हूँ कि मैं किस बारे में बात कर रहा हूँ। जब ऐलेना और मैं फिलाडेल्फिया से वापस आए, वेस्टमिंस्टर सेमिनरी से वापस, जो एक अद्भुत अनुभव था, और रीजेंट में वापस गए, हमारे पास एक किराए का अपार्टमेंट था। अपार्टमेंट हाउस में, कॉलेज से ठीक अगले ब्लॉक में, आठवीं मंजिल पर एक अपार्टमेंट था।

ऐलेना और मैं हो सकते थे, वह इस अपार्टमेंट की बालकनी पर हो सकती थी और मैं अपने कार्यालय में हो सकता था और हम सेमाफोर द्वारा संवाद कर सकते थे। हम इसके बहुत करीब थे। यह आदर्श था।

इसके अलावा, यह सुंदर था। हमने इंग्लिश खाड़ी की अनदेखी की। मेरी बहन ने कहा, ब्रूस, तुम्हारा लिविंग रूम 30 मील गुणा 30 मील है।

हमने इन पहाड़ों और खाड़ी को देखा। मैंने बादलों को देखा। यह खूबसूरत था।

यह बिल्कुल अद्भुत था। और सबसे आश्चर्यजनक बात यह थी कि यह किफायती था। मेरा मतलब है, हमारे पास सीमित बजट था और हम इस अपार्टमेंट को किराए पर ले सकते थे।

यह बड़ा तो नहीं था, लेकिन उत्तम था। इसमें केवल एक ही समस्या थी। उन्होंने जानवरों को अनुमति नहीं दी।

ऐलेना हमारी बिल्ली से प्यार करती है। अब हम टूट गए हैं, एकदम सही अपार्टमेंट, लेकिन हमारे पास एक बिल्ली है। एकमात्र क्या है? हमारी बिल्ली एकदम सही है।

इस पर कोई खरोंच नहीं आई, यह बहुत साफ था और कोई शोर नहीं करता था। सच तो यह है कि किसी को पता नहीं चलेगा कि हमारे पास एक बिल्ली है। तो, हम बिल्ली वगैरह लेकर चले गए, क्योंकि किसी को पता नहीं चलेगा कि हमारे पास एक बिल्ली है।

हमने सोचा, बेशक, हम इसके साथ नहीं रह सकते। लेकिन फिर भी, हमने यही किया। पाप यह है कि हम बिल्ली के साथ चले आये।

खैर, एक समस्या थी. बिल्ली खिड़की में कूद गई. अब हमारे सामने एक समस्या थी क्योंकि मकान मालकिन ने कहा, ठीक है, खिड़की में एक बिल्ली है।

तो, ऐलेन, वह जितनी चतुर है, हमारे पास एक भरवां बिल्ली थी जो बिल्कुल हमारी बिल्ली, एक टैबी बिल्ली जैसी दिखती थी। तो, उसने भरवां बिल्ली को खिड़की में रख दिया। हम जैसे धोखेबाज थे, पाप यह है कि हम हैं, वह भरवां बिल्ली को खिड़की से खिड़की तक ले जाती थी।

इसलिए, अगर असली बिल्ली खिड़की में कूद गई, तो मकान मालकिन को पता नहीं चलेगा कि हमारे पास एक बिल्ली है। स्वाभाविक रूप से, ईसाई होने के नाते, हम इसके साथ नहीं रह सकते। तो, ऐलेन कहती है, आखिरकार, उसने कहा, हमें बिल्ली को छोड़ना होगा।

ये सही नहीं है। मैंने कहा- ठीक है, मुझे एक मौका और दो। इसलिए, जब मकान मालकिन को किराया देने का समय आया, तो मैंने उससे कहा, तुम्हें पता है, हम दर्शनशास्त्र में, कुछ दार्शनिक सत्तामीमांसीय ज्ञान और ज्ञानमीमांसीय ज्ञान के बीच अंतर करते हैं।

शुक्र है, उसने कहा, इसका क्या मतलब है? तो मैंने कहा, ठीक है, सत्तामूलक ज्ञान ही वह तरीका है जिससे चीजें होती हैं, और केवल भगवान ही जानता है। ज्ञानमीमांसीय ज्ञान हमेशा सापेक्ष होता है और मनुष्य इसी तरह से जानता है। उसने कहा कि मुझे समझ नहीं आ रहा कि आप क्या बात कर रहे हैं।

इसलिए, मैं अपने पुराने दर्शन पर वापस चला गया। मैंने कहा, ठीक है, चलो, नॉर्थ वुड्स में एक पेड़ है। यह सभी मनुष्यों से 200 मील दूर है।

कोई नहीं जानता कि पेड़ वहाँ है। आंधी में पेड़ गिर जाता है. तो, तात्त्विक ज्ञान से, पेड़ गिर गया, लेकिन केवल भगवान ही इसे जानता है।

ज्ञानमीमांसा के अनुसार, पेड़ इसलिए नहीं गिरा क्योंकि किसी को इसकी जानकारी नहीं थी। उसने कहा, क्या चला रहे हो? मैंने कहा, ठीक है, एक बिल्ली ले लो। वह बात समझ गयी।

ओन्टोलॉजिकली, हाँ, हमारे पास एक बिल्ली है, लेकिन ज्ञानमीमांसीय रूप से, हमारे पास कोई बिल्ली नहीं है। मैं इस मामले में बिल क्लिंटन को मात दे रहा था। तो, उसे बात समझ में आ गई कि मैं जिस ओर गाड़ी चला रहा था, कोई नहीं जानता कि हमारे पास एक बिल्ली है।

तो सत्तामूलक रूप से, हाँ, लेकिन ज्ञानमीमांसीय रूप से हम ऐसा नहीं करते। उसने मुझसे कहा, क्या तुम्हारे पास प्यारी बिल्ली है? वह बात समझ गयी।

अब आप देख सकते हैं कि मैं क्या कह रहा हूँ। सत्तामूलक रूप से, ईश्वर का अस्तित्व है, लेकिन अगर कोई इसे नहीं जानता तो इसका क्या फायदा? आप देखिए, यदि कोई इसे नहीं जानता है, तो वह किसी भी व्यावहारिक उद्देश्य के लिए अस्तित्व में नहीं है। देखिए, ठीक है, मुझे पता है कि शायद बृहस्पति मौजूद है।

इस पर विश्वास मत करो। शायद ज़ीउस मौजूद है, लेकिन कोई उसकी प्रशंसा नहीं करता। वह अस्तित्व में नहीं है।

तो, मान लीजिए कि हम सभी ईश्वर की स्तुति करना बंद कर दें। आपने देखा मेरा क्या मतलब है? जब मैं कहता हूँ कि वह मर जाएगा, तो उसका अस्तित्व समाप्त हो जाएगा। हालाँकि, इसमें एक समस्या है।

समस्या यह है कि यह ईश्वर के अस्तित्व को मुझ पर निर्भर बनाता है। और हम जानते हैं कि यह सब गलत है। इसलिए, मैंने यहां संकल्प रखा है।

ध्यान दें कि यीशु क्या कहते हैं। यह ल्यूक अध्याय 19 में है, जब वह उस स्थान के पास आया जहां सड़क जैतून के पहाड़ से नीचे जाती है, तो शिष्यों की पूरी भीड़ उन सभी चमत्कारों के बारे में खुशी से ऊंचे स्वर में भगवान की स्तुति करने लगी जो उन्होंने देखे थे। धन्य है वह राजा जो प्रभु के नाम पर आता है, स्वर्ग में शांति और सर्वोच्च में महिमा।

भीड़ में से कुछ फरीसियों ने यीशु से कहा, हे गुरु, अपने चेलों को डांट। मैं तुम से कहता हूँ, उस ने उत्तर दिया, यदि वे चुप रहें, तो पत्थर चिल्ला उठेंगे। हमेशा रहेगा, अगर इंसान उसकी तारीफ नहीं करेंगे तो पत्थर उसकी तारीफ करेंगे।

भगवान मर नहीं सकते। आप देखिए कि वह ऐसा नहीं करेगा, उसके पास हमेशा उसकी प्रशंसा करने वाले लोग होंगे। उन्होंने आपको और मुझे अपनी तारीफों के लिए बुलाया।

वह हमारी प्रशंसा में विद्यमान है। यह हमारी गरिमा और हम कौन हैं, इसका आश्चर्य है क्योंकि हम प्रभु की स्तुति करते हैं। लोग जानते हैं कि वह मौजूद है।

तो, हे भगवान, हमारे भगवान, आपका नाम सारी पृथ्वी पर कितना शानदार और शक्तिशाली है क्योंकि वे उसकी स्तुति कर रहे हैं। तो यह भजन के इस विषय पर एक धार्मिक प्रतिबिंब है। अब यह विषय विकसित हो गया है और यह पहले श्लोक में है, स्वर्ग में वैभव।

और फिर आश्चर्यजनक है, और इसे बच्चों और शिशुओं के मुंह से समझने की आवश्यकता है, आपने शक्ति निर्धारित की है इत्यादि। परन्तु पहला भाग स्वर्ग में उसका वैभव है। वहां दो भाग हैं और मेरे पास है, ठीक है, आपने अपना वैभव स्वर्ग में स्थापित किया है, सृजन का क्रम, और अब बच्चों और शिशुओं के मुंह के लिए मुक्ति का आदेश।

आपने अपने दुश्मनों को खत्म करने के लिए, दुश्मन और बदला लेने वाले को खत्म करने के लिए एक मजबूत दीवार की नींव रखी है। मैं कहता हूं कि स्वर्ग पर ईश्वर का शासन तत्काल होता है, लेकिन पृथ्वी पर ईश्वर का शासन उसके लोगों के माध्यम से होता है। यह तत्काल नहीं है।

वह हमारे द्वारा शासन करता है। चलिए उस पर वापस आते हैं। सबसे पहले, मैं कहता हूं कि वह स्वर्ग में अपनी महिमा प्रदर्शित करता है।

फिर हम दूसरे विचार पर वापस आएं कि बच्चे अपने दुश्मनों को खत्म कर दें। सबसे पहले, स्वर्ग में उसकी महिमा, आपने धर्मी शासकों के शाही वैभव को धारण किया है। मैं यहां शब्द अध्ययन की ओर इशारा कर रहा हूं, अक्सर एक धर्मी शासक के लिए विशेष रूप से इस्तेमाल की जाने वाली महिमामंडन।

उसके पास एक गौरवशाली, धर्मात्मा राजा का अद्भुत वैभव है। इसका सामान्य रूप से अनुवाद किया जाता है, पूर्वसर्ग अल को अक्सर स्वर्ग से ऊपर कहा जाता है। हो सकता है कि उसने आपकी महिमा को स्वर्ग से ऊपर स्थापित किया हो, लेकिन पूर्वसर्ग अल का अर्थ स्वर्ग पर भी हो सकता है।

इसलिए, मुझे लगता है कि इसकी अधिक संभावना है कि जैसे ही आप अगले में देखेंगे, यह चंद्रमा और सितारे हैं जो उसकी करतूत और उसकी महानता को प्रकट करते हैं। इसलिए, मुझे लगता है कि इसका अनुवाद किया जाना चाहिए, आप अपनी महिमा स्वर्ग पर रखें। इसलिए, जैसे ही आप स्वर्ग की ओर देखते हैं, आप वैभव देखते हैं, आप भगवान की इस अद्भुतता को देखते हैं।

स्वर्ग है, हम इसे आकाश कहते हैं, लेकिन वास्तव में इसे देखने के उनके घटनात्मक तरीके से, जिसे उत्पत्ति 1 में आकाश के रूप में अनुवादित किया गया था, आधुनिक अनुवादों में गुंबद या तिजोरी का अनुवाद किया गया है, वास्तव में आकाश को एक पारदर्शी क्रिस्टल के रूप में देखा जाता है। गुंबद अपने ऊपर पानी को रोके हुए है। यह पूरी तरह से घटनात्मक है। ऐसा ही प्रतीत होता है।

इसलिए, उदाहरण के लिए, मिस्र में, यह सूर्य को एक नाव में ऊपर पानी के पार जाते हुए दिखाता है। दिलचस्प बात यह है कि यह घटनात्मक है। यह ईश्वर के बारे में बोलने और चीजों को समझने का एक तरीका है।

शमाश में, सूर्य देव, या उनके एक प्रतिनिधित्व में, वह अपने सिंहासन पर बैठते हैं और वह बाढ़ पर बैठते हैं। हमने देखा कि भजन 29 में, भगवान बाढ़ के ऊपर बैठता है। बाढ़ वह काल्पनिक जल है जिसके बारे में हम बात कर रहे हैं।

तो वैसे भी, उसकी महिमा स्वर्ग पर है, वह गुंबद जो दुनिया के उस तरह के घटनात्मक दृश्य का उपयोग करता है। मैंने सोचा, चलो, इस पर विचार करें क्योंकि यदि डेविड की दुनिया में यह सच

था, तो हबल दूरबीन के साथ हमारी दुनिया में यह कितना अधिक सच है? यह बिल्कुल समझ से परे है। मैंने वहां चीजों के आकार के बारे में बात की।

मेरा मतलब है, यह सब से परे है, मेरे लिए भगवान की महिमा हमारी आकाशगंगा है जो एक लाख प्रकाश वर्ष में फैली हुई है। तो प्रकाश की गति से चलते हुए, 186,000 मील प्रति सेकंड, आपको हमारी आकाशगंगा को पार करने में 100,000 वर्ष लगेंगे। फिर अब हबल दूरबीन से हमें पता चलता है कि हमारे समुद्रतटों पर जितनी रेत है उससे कहीं अधिक आकाशगंगाएँ हैं।

अरबों आकाशगंगाएँ हैं। यह सब समझ से परे है। मैं गया, आप इसे क्या कहते हैं? जहां आपके पास खगोल विज्ञान है।

नहीं, वेधशाला नहीं। यह मेरे पास आएगा जहां वे तारे दिखाते हैं और वे तुम्हें खगोल विज्ञान वगैरह के बारे में सिखाते हैं। मैं न्यूयॉर्क में गया और वहां उन्होंने एक आकाशगंगा दिखाई।

यह केकड़े के आकार का था। केकड़े के दोनों पैरों के बीच, मानो 700,000 प्रकाश वर्ष का स्थान था, जो हमारी आकाशगंगा से सात गुना बड़ा था। और इसकी संख्या अरबों में है।

मेरा मतलब है, यह बिल्कुल आपके दिमाग को भ्रमित कर देता है, इस पूरी चीज़ का आकार। सच्चाई यह है, और यहीं समस्या कई लोगों के मन में आती है कि बृहस्पति पृथ्वी से छह गुना बड़ा है। इसलिए, यदि आप बृहस्पति पर होते, तो पृथ्वी चमक में छह गुना छोटी होती।

हमारी आकाशगंगा के किनारे से, 100,000 प्रकाश वर्ष। ओह, उदाहरण के लिए, प्लूटो वाले हमारे ग्रहों के किनारे से, और हमारे ग्रह मंडल के किनारे से, पृथ्वी का आकार एक टीवी स्क्रीन पर एक पिक्सेल के आकार के बराबर है। यह इतना छोटा है।

और हमारी आकाशगंगा के किनारे से, यह सम नहीं हो सका, इसे हबल दूरबीन से नहीं देखा जा सका। यह इतना छोटा है और इतना महत्वहीन प्रतीत होता है। और फिर आप सोचना बंद कर दें और यह सवाल उठेगा कि हमारे छोटे घर क्या हैं? वे सूक्ष्मजीव हैं।

और उस पैमाने पर हम क्या हैं? यह सब क्या होता है? और ऐसे कई लोग हैं जो महसूस करते हैं, ठीक है, हम कुछ भी नहीं हैं, जो हम जो जानते हैं उसे नकार देते हैं। और जैसा कि मैं इसे देखता हूं, पृथ्वी एक मंच है। और इस मंच पर, सही और गलत, न्याय और अन्याय, सच्चाई और झूठ, मसीह और शैतान, चर्च और दुनिया के बीच एक नाटक खेला जा रहा है।

महान आध्यात्मिक मुद्दे इसी धरती पर चल रहे हैं और मुझे लगता है कि कहीं और नहीं। और यह अत्यधिक महत्व देता है। आपको किसी बड़े मंच की जरूरत नहीं है।

संपूर्ण विश्व की तुलना में एक अवस्था लगभग बहुत ही छोटी है। लेकिन उस मंच पर सच्चाई का खेल खेला जाता है। और इसी तरह मैं पृथ्वी को समझता हूं।

यह संपूर्ण ब्रह्मांड का वह चरण है जहां आध्यात्मिक संघर्ष चल रहा है। और हम उस नाटक का हिस्सा हैं और हम कौन हैं। मनुष्य क्या है? वह यही कहने जा रहा है।

हम पूरी चीज़ पर शासन करते हैं। हम बुराई पर विजय पाने जा रहे हैं। हम अन्याय पर विजय पाने जा रहे हैं।

हम भ्रम और झूठ पर विजय पाने जा रहे हैं। इस अत्यंत छोटे ग्रह पृथ्वी पर इस नाटक में हम यही करते हैं। तो, यह बहुत महत्वपूर्ण है, आकार में नहीं, बल्कि सच्चाई में।

तो मैं उनमें से कुछ को सूचीबद्ध करता हूं। मेरे पास इन आकाशगंगाओं की कुछ तस्वीरें हैं। और हाँ, ये कुछ आकाशगंगाएँ हैं जिन्हें हबल दूरबीन ने देखा है।

मैंने बस सोचा कि मैं उन्हें जोड़ दूंगा। वे वास्तव में अपने तरीके से सुंदर हैं। मेरा मतलब है, हम एक अद्भुत युग में रहते हैं कि हम इन चीज़ों को देख सकते हैं।

और दूसरी चीज़ जिस पर मैंने विचार किया है वह न केवल पृथ्वी का आकार है बल्कि हर चीज़ की गति है। इसलिए मैंने पृथ्वी की गति से शुरुआत की। वह भूमध्य रेखा पर एक हजार मील की दूरी पर घूम रहा है।

यह क्या है? 25. हाँ. हजार मील प्रति घंटा.

हम एक हजार मील प्रति घंटे की रफ़्तार से यात्रा कर रहे हैं। आकाशगंगा 120 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से आकाशगंगा के केंद्र के चारों ओर घूम रही है। नहीं, नहीं, मैंने एक छोड़ दिया।

पृथ्वी, पृथ्वी की कक्षा, हम एक वर्ष में सर्किट पूरा करने के लिए 66,000 मील प्रति घंटे की गति से सूर्य के चारों ओर चक्कर लगा रहे हैं। इसमें आपको 66,000 मील प्रति घंटे की रफ़्तार से चलना होगा। मुझे लगता है कि उपग्रह 18,000 पर चलते हैं।

तो, हम उपग्रह की गति से तीन गुना से भी अधिक गति से चल रहे हैं। फिर सूर्य भी एक ही समय में घूम रहा है। अंततः, अंतरिक्ष का विस्तार हो रहा है।

यह खगोल विज्ञान का महान रहस्य है। वह स्थान 1.8, प्रकाश की गति से विस्तारित हो रहा है। यह प्रकाश की गति है, 186,000।

अंतरिक्ष का विस्तार लगभग 360,000 मील प्रति सेकंड की गति से हो रहा है। इसे कौन समझ सकता है? यह बिल्कुल वैसा ही है जैसा आपका वैभव स्वर्ग पर है। हमें उस वैभव के बारे में इतना अधिक ज्ञान है जितना हमसे पहले किसी को नहीं था।

इसीलिए, क्योंकि यह इतनी तेजी से विस्तार कर रहा है, इसलिए मुझे लगता है कि यह है, यह एक संपूर्ण चर्चा है, लेकिन मुझे नहीं लगता कि बाइबल पृथ्वी की तारीख बताती है। मुझे लगता है कि

समस्या जीवाश्म रिकॉर्ड है। जैसा कि मैं उत्पत्ति 1 को समझता हूं, जब आप शुरुआत करते हैं तो पृथ्वी पहले से ही यहां है।

मुझे नहीं लगता कि आप बाइबल से युवा पृथ्वी या बूढ़ी पृथ्वी के बारे में बात कर सकते हैं। आप इसे किसी भी तरह से साबित नहीं कर सकते। इसलिए, मैं इस विचार के प्रति बहुत खुला हूं कि पृथ्वी 13.9 अरब वर्ष या 14 मिलियन वर्ष पुरानी है।

क्योंकि जब मैं जेनेसिस उठाता हूं, तो पृथ्वी पहले से ही यहां है, लेकिन यह अराजकता में है। इस तरह मैं अध्याय को समझता हूं। तो, इसलिए, यह मेरे लिए कोई मुद्दा नहीं है।

लेकिन इसीलिए मैं स्वीकार करता हूं कि हम इतने मिलियन वर्ष पुराने हैं, लेकिन इसीलिए मैं अंतरिक्ष की गति से समझ सकता हूं, उदाहरण के लिए, कासर 24 अरब प्रकाश वर्ष दूर है। यह यहां तक कैसे पहुंचा? यह बिग बैंग थ्योरी से भी बहुत पुराना है। इसका कारण यह है कि पृथ्वी इस प्रचंड गति से फैल रही है।

आज बड़ा सवाल यह है कि अंतरिक्ष में धकेलने के लिए ऊर्जा कहां से आ रही है? हम किसी ऐसी चीज़ के भीतर स्थान को कैसे समझ सकते हैं जो स्थान नहीं है? ये पूरी बात मेरे लिए समझ से परे है। लेकिन यह सब, मुझे लगता है कि हम वहीं हैं। तो मेरे लिए पूरी चीज़ ईश्वर का प्रमाण है।

मैं आपको यहां आइंस्टीन के कुछ उद्धरण दे रहा हूं। जैसा कि मैंने कहा, जो समझ से परे है वह समझ में आने योग्य है। यह मेरे पुराने नियम के धर्मशास्त्र से बाहर है जहां मैं इस पर थोड़ी चर्चा कर रहा हूं।

बिग बैंग की परिकल्पना के आधार पर जिसे लगभग सभी लोग स्वीकार करते हैं। और आधार पर, यदि आप इसके साथ काम करना चाहते हैं, तो विकास का। कुछ धर्मनिरपेक्ष और ईसाई वैज्ञानिकों ने मानव-ब्रह्मांड संबंधी सिद्धांत का अपहरण कर लिया है।

इस सिद्धांत के अनुसार, भौतिक गुण, जैसे कि एक मजबूत परमाणु बल स्थिरांक, एक गुरुत्वाकर्षण बल स्थिरांक, ब्रह्मांड की विस्तार दर, तारों के बीच की औसत दूरी और अन्य भौतिक गुणों के मूल्यों को प्रभावित करने के लिए इतना सटीक होना चाहिए विकास, एक विचारशील प्राणी जो अपनी उत्पत्ति पर विचार कर सकता है। यदि आप बिग बैंग को स्वीकार करते हैं, जिसे मैं स्वीकार करता हूं, तो विकास की बात, जो कि, मुझे लगता है, यहां चर्चा नहीं की जानी चाहिए। और यह पूरी चर्चा है।

यदि आप इसे स्वीकार करते, तो एक इंसान, एक विचारशील प्राणी को अस्तित्व में लाने के लिए हर चीज़ इतनी सटीक होनी चाहिए। यही एकमात्र बिंदु है जो मैं कहना चाहता हूं। हर चीज़ इतनी सटीक होनी चाहिए थी।

तो सबसे अच्छी व्याख्या के अनुसार यह है कि शुरू से ही एक इरादा और डिजाइन था। नोबेल पुरस्कार विजेता, प्रोफेसर स्टीवन वेनबर्ग, हालांकि एक संशयवादी टिप्पणी करते हैं, जीवन जैसा

कि हम जानते हैं, यह असंभव होगा यदि कई भौतिक मात्राओं में से किसी एक का मान थोड़ा सा, थोड़ा सा अलग होता, तो वे थोड़ा अलग होते। हम सिर्फ शारीरिक दृष्टि से नहीं होंगे।

ऑक्सफ़ोर्ड विश्वविद्यालय में गणित के प्रोफेसर और बिग बैंग के विश्लेषणात्मक विवरण के लिए वुल्फ पुरस्कार विजेता रोजर पेनरोज़ इन मात्राओं को जीवन के लिए इतना सुव्यवस्थित पाते हैं कि एक बुद्धिमान निर्माता ने इन्हें चुना होगा। उसके लिए, यह अकाट्य है। एकमात्र तरीका वह इसे समझा सकता है।

यह बहुत सटीक है। एक स्थिरांक जिसके लिए फाइन-ट्यूनिंग की आवश्यकता होती है वह बिग बैंग की ऊर्जा से संबंधित है। वेनबर्ग 10 से 120वीं शक्ति में एक भाग की ट्यूनिंग की मात्रा निर्धारित करते हैं।

यह तो होना ही था, वह 120 शून्य वाला 10 है। हमारे लिए यहां रहना उतना ही सटीक होना चाहिए। माइकल टर्नर, शिकागो विश्वविद्यालय के एक व्यापक रूप से उद्धृत खगोल भौतिकीविद्, एक उपमा के साथ उस ट्यूनिंग का वर्णन करते हैं।

सटीकता ऐसी है मानो कोई पूरे ब्रह्मांड में एक डार्ट फेंक सकता है और दूसरी तरफ एक मिलीमीटर व्यास वाली बुल्सआई को मार सकता है। यही सम्भावना होगी। यदि आप एक लाख मील दूर होते तो आप इस डार्ट को फेंक सकते थे और यह एक मिलीमीटर मोटी बुल्सआई से टकराएगा।

तो यहाँ बस कुछ बातें हैं, आप जानते हैं कि हबल दूरबीन से पहले, प्रोटॉन का आकार 1.836 था, जो इलेक्ट्रॉन से बड़ा था। हम एक अंश से भिन्न हैं। इलेक्ट्रॉन से बड़ा प्रोटॉन, पदार्थ का अस्तित्व उस रूप में नहीं होगा जैसा हम जानते हैं।

यह बिल्कुल सटीक है। सूर्य को ठीक 93 मिलियन मील दूर होना चाहिए। हम जितना दूर रुकते हैं, जितना करीब आते हैं, हम जल जाते हैं।

यदि पृथ्वी ब्रह्मांड के केंद्र के करीब होती, तो हम विकिरण से नष्ट हो जाते। हम बिल्कुल सही जगह पर हैं। हम अन्यत्र निरीक्षण करने के लिए भी सही स्थान पर हैं।

बहुत ज्यादा रोशनी है। यहाँ इतना अँधेरा है कि हम आसमान देख सकते हैं। बस इतना ही है।

यह मेरे लिए अविश्वसनीय है। यह ह्यूग रॉस की पुस्तक रीज़न्स टू बिलीव की खूबियों में से एक है। वह यह भी बताते हैं, उन्होंने कॉर्नेल में खगोल भौतिकी में अपना प्रमुख स्नातक किया।

किताब पढ़ने से पहले मुझे यह नहीं पता था कि पृथ्वी ढाई चक्र में घूमेगी। नहीं, यह हर ढाई घंटे में एक चक्र घूमेगा। इसके 24 घंटे होने का कारण चंद्रमा का विपरीत दिशा में जाना है।

चंद्रमा एक ब्रेक है जो हमें तेजी से घूमने से रोकता है। क्या आप कल्पना कर सकते हैं कि अगर हम हर ढाई घंटे में एक घेरा बना लें? लेकिन चंद्रमा इसे धीमा कर देता है। यह सब सही है।

पानी फैलता है. और वह मुझे रोमांचित करता है. बस इतनी ही जल्दी बात है.

यदि इसका विस्तार नहीं होता तो हम बर्फ का टुकड़ा बन जाते। पृथ्वी की परावर्तनशीलता उत्तम होनी चाहिए। कहने का तात्पर्य यह है कि जो प्रकाश पृथ्वी पर पड़ता है वह एक निश्चित मात्रा में अवशोषित होता है।

यह एक निश्चित मात्रा है जो अंतरिक्ष में प्रतिबिंबित होती है। यदि वह सटीक नहीं है, तो प्रकाश संश्लेषण नहीं होता है। जीवन अस्तित्व में नहीं होगा.

जब मैं तेरे तेज पर विचार करता हूं, तब तू ने अपना तेज स्वर्ग पर स्थापित किया है। तो, अरस्तू कहते हैं, यदि कोई व्यक्ति भूमिगत रहकर कला और तंत्र के कार्यों के साथ बातचीत करता है और बाद में उसे स्वर्ग और पृथ्वी की कई महिमाओं को देखने के लिए दिन में लाया जाता है, तो वह तुरंत उन्हें ऐसे प्राणी का कार्य घोषित कर देगा। जैसा कि हम ईश्वर को परिभाषित करते हैं। तो, अरस्तू कह रहा है कि यदि कोई यांत्रिकी और कला के बारे में कुछ भी जानता है, और वह एक गुफा में रहा है, तो उसने मानव कला और मानव यांत्रिकी का अध्ययन किया है।

फिर वे यहां से बाहर निकले। यह किसी भी मनुष्य की उपलब्धि से कहीं अधिक गौरवशाली होगा। और उन्होंने कहा कि जिसने भी ऐसा किया है आप उसे भगवान कहेंगे।

लेकिन पॉल इसे एक धार्मिक तत्व देता है। वह कहते हैं, जो लोग अपनी दुष्टता से सत्य को दबाते हैं, उनकी सारी अधर्मिता और दुष्टता के विरुद्ध परमेश्वर का क्रोध स्वर्ग से प्रकट हुआ है। चूंकि परमेश्वर के बारे में जो कुछ भी जाना जा सकता है वह उनके लिए स्पष्ट है क्योंकि परमेश्वर ने उसे उनके लिए स्पष्ट कर दिया है।

लेकिन संसार की रचना के बाद से ही ईश्वर के अदृश्य गुण, उसकी शाश्वत शक्ति और परिभाषित प्रकृति को स्पष्ट रूप से समझा जा सकता है ताकि लोगों को कोई बहाना न मिले। इसलिए, पॉल के लिए, यह एक नैतिक अनिवार्यता का धार्मिक आयाम लेता है। खैर, अब भगवान की महानता के बारे में बात करने और पृथ्वी को एक मंच के रूप में कहने के बाद, भगवान बुराई को कैसे खत्म करते हैं? और हम बच्चों और दूध पीते बच्चों, और दूध पिलानेवाले बच्चों के मुंह से पढ़ते हैं, कि तू ने अपने शत्रुओंको नाश करने, और शत्रु और पलटा लेनेवालोंको नाश करने के लिये सामर्थ की नेव डाली है।

यह एक अच्छी व्याख्या होगी. मैंने इसे कई बार पढ़ा है. क्या यही सब कुछ है? यह मुझे मेरे पिता की याद दिलाता है.

उसने सोचा कि पवित्रशास्त्र को याद करके वह अपने दिमाग को कमजोर होने से बचा सकता है। इसलिए, नब्बे के दशक के अंत में भी उन्होंने पवित्रशास्त्र के बड़े हिस्से को याद कर लिया था। तो, वह आगे बढ़ेगा और इब्रानियों 11 को उद्धृत करेगा, जो उसके पसंदीदा अध्यायों में से एक है।

वह जॉन के बड़े हिस्से उद्धृत करेंगे। वह सिर्फ धर्मग्रंथों से प्यार करता था। और इसलिए, उसने इसे स्वार्थी कारणों से याद किया, लेकिन वास्तव में ईश्वरीय कारणों से।

तो, वह भजन 8 पर आया। तो, मुझे राजा जेम्स से याद आया, निस्संदेह, हे भगवान, हे भगवान, आपका नाम सारी पृथ्वी पर कितना उत्कृष्ट है। तू ने बालकों के मुख से अपनी महिमा स्वर्ग पर स्थापित की है, तू ने शत्रु और पलटा लेने वालों को, चाहे वे वहां कोई भी हों, नष्ट करने की शक्ति स्थापित की है। जब मैं तुम्हारे आकाश, तुम्हारी उंगलियों के काम, चंद्रमाओं और तारों पर विचार करता हूं, तो तुम अपनी जगह स्थापित कर चुके हो।

मनुष्य क्या है कि तू उसकी सुधि लेता है, मनुष्य क्या है कि तू उसकी सुधि लेता है। और आपने सब कुछ अपने पैरों के नीचे रख दिया है वगैरह-वगैरह। तो, मेरे पिता इसे पढ़ते थे और वह कहते थे, हे भगवान, हे भगवान, आपका नाम सारी पृथ्वी पर कितना उत्कृष्ट है।

दूध पीते बच्चों के मुंह से अपनी महिमा स्वर्ग पर स्थापित की है, और तू ने बल प्राप्त किया है। जब मैं तुम्हारे आकाश, चंद्रमा और सितारों पर विचार करता हूं। और जब वह समाप्त हो गया, तो मैंने कहा, लेकिन पिताजी, आप दुश्मन और बदला लेने वाले को खत्म करने के लिए पद 2बी को खत्म कर दें।

और पिताजी ने कहा, हाँ, मुझे पता है, लेकिन मुझे नहीं पता कि इसका क्या मतलब है। तो, इसे हल करने का एक तरीका सिर्फ इसका पाठ न करना है। इसलिए, मैं अब यह स्पष्ट करने की पूरी कोशिश करूंगा कि बच्चों और शिशुओं के मुंह से यह किस बारे में बात हो रही है।

सबसे पहले, व्याख्या. मुझे लगता है कि यह होना चाहिए, ये भाषण के अलंकार हैं। मेरा मानना है कि यह स्पष्ट होना चाहिए कि कोई मुंह नींव नहीं रख सकता।

यह एक रूपक होना चाहिए. और वह जिस बारे में बात कर रहा है, उसका मुँह भजन की प्रार्थनाओं और स्तुतियों को संदर्भित करता है। तो, यह उनकी याचिकाओं और प्रशंसाओं के माध्यम से है कि आप दुश्मन को खत्म कर दें।

तो, स्पष्ट रूप से मुँह को भाषण का एक रूप होना चाहिए क्योंकि मुँह कोई दीवार नहीं बना सकता या लोगों को खत्म नहीं कर सकता। फिर उससे भी अधिक यह बच्चे और दुधमुँहे बच्चे हैं। तो दूध पिलाने वाले बच्चे प्रार्थनाएँ और प्रशंसाएँ कैसे दे सकते हैं? यह उन लोगों के लिए एक रूपक होना चाहिए जो न तो अधिक ताकतवर हैं और न ही उनसे बड़े, और वे बस छोटे दूध पीते बच्चों की तरह हैं।

तो, यह उन लोगों की याचिका और प्रशंसा से है जो सबसे कमजोर से अधिक नहीं हैं जिनके बारे में आप सोच सकते हैं, सबसे कमजोर व्यक्ति। तो, मुझे लगता है कि लूथर यही है। लूथर ने सही ढंग से बच्चों और दूध पिलाने वाले शिशुओं की एक आकृति के रूप में व्याख्या की है, मैं ईश्वर के अद्वितीय चरित्र विनम्रता के राज्य का वर्णन करने के लिए एक रूपक और अतिशयोक्ति कहूंगा।

और जब तक तुम एक छोटे बच्चे की तरह नहीं बन जाते, तुम परमेश्वर के राज्य में प्रवेश नहीं कर सकते। तो यह उन लोगों से है जो अपना बचाव नहीं कर रहे हैं। वे अपने आप में किसी ताकत का दावा नहीं कर रहे हैं।

उनकी सारी शक्ति प्रभु में है और यह उनकी प्रार्थनाएँ और उनकी स्तुतियाँ हैं। और फिर ताकत शायद एक गढ़, सुरक्षा की जगह के लिए एक और रूपक है। अतः नरक के द्वार भी उस पर प्रबल नहीं हो सकते।

यह एक जगह है, और यही कारण है कि एनआरएसवी के पास, मुझे लगता है, एक सुरक्षा घेरा या सुरक्षा है। तो, ताकत यह है कि इसे हराया नहीं जा सकता और यह जीतेगा। तो, बात को बहुत संक्षेप में समझाने के लिए यह वास्तव में भाषण के अलंकारों पर आधारित है।

ये कविता है। कविता, आपको भाषण की संक्षिप्तता और अलंकारिकता की अपेक्षा करनी होगी। और यह बहुत संक्षिप्त है।

तो, मुँह प्रार्थना और स्तुति है। बच्चे और दूध पिलाते बच्चे उन लोगों की कमज़ोरी हैं जो विश्वास पर मानवीय कमज़ोरी पेश करते हैं। और वे शक्तिशाली हैं और वे शत्रु और आत्म-बदला लेने वाले को नष्ट कर देते हैं।

मेरे लिए, यह अद्भुत अर्थ रखता है। बदला लेने वाला वह अविश्वासी है जो ग़लती का बदला लेने के लिए परमेश्वर से प्रार्थना नहीं करता। वे अपने आप में मजबूत हैं।

और इसलिए, वे अपना बदला लेते हैं। जबकि चर्च स्वयं बदला नहीं लेता। यह ईश्वर पर निर्भर करता है और इस विश्वास में रहता है कि ईश्वर ग़लतियों को ठीक करेगा इत्यादि।

तो, मेरे पास कुछ विचार हैं। भजन एक नायक, एक दुश्मन, एक प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ आध्यात्मिक लड़ाई में एक नायक मानता है। नायक प्रार्थना करता है, मैं हूँ।

यह इसलिए है, इसलिए बच्चों और शिशुओं की स्तुति के माध्यम से, आपने अपने दुश्मनों, जंगली, दुश्मन और बदला लेने वालों के खिलाफ एक गढ़ स्थापित किया है। और विरोधी वे हैं जो स्तुति नहीं करते, परन्तु परमेश्वर पर भरोसा रखने के बदले अपना बदला लेते हैं। तो, हम एक लड़ाई में लगे हुए हैं, आस्था बनाम बल की आध्यात्मिक लड़ाई।

हम एक आध्यात्मिक युद्ध में हैं और भगवान विजयी होने जा रहे हैं। हम विश्वास के माध्यम से जीतने जा रहे हैं। वह है संघर्ष, आस्था और अविश्वास।

आज हम पर अविश्वास के तीर फेंके जा रहे हैं। शैतान ताकतवर है, लेकिन हम जानते हैं कि मसीह ताकतवर है। यहाँ भजन 149 है।

प्रभु के लिये नया गीत गाओ, संतों की सभा में उसकी स्तुति करो। इस्राएल अपने रचयिता के कारण आनन्द मनाए। सिय्योन के लोग अपने राजा के कारण आनन्दित हों।

वे नाचते हुए, डफ और वीणा बजाते हुए उसके नाम की स्तुति करें। क्योंकि यहोवा अपनी प्रजा से प्रसन्न रहता है। वह दीनों को मुक्ति का ताज पहनाता है।

संत लोग इस सम्मान में आनन्द मनाएँ और अपने शय्या पर आनन्द से गाएँ। उनके मुँह में परमेश्वर की स्तुति हो, और राष्ट्रों से प्रतिशोध लेने और देश देश के लोगों को दण्ड देने के लिये उनके हाथों में दोधारी तलवार हो। उनके राजाओं को बेड़ियों से बाँधना, उनके सरदारों को तरह-तरह के शेकेल से बाँधना ताकि उनके विरुद्ध लिखे गए दंड को पूरा किया जा सके।

यह सभी संतों की महिमा है।" ध्यान दें, दोधारी तलवार है, ठीक है, उनकी प्रशंसा उनके मुँह में है और दोधारी तलवार उनके हाथों में है। हम इसके बारे में बाद में बात करेंगे। ऐसा नहीं है कि भगवान की लोग साधन का उपयोग नहीं करते।

वे साधन का उपयोग नहीं करते। वे अपना बदला नहीं लेते, लेकिन पुराने नियम में, उनके पास तलवारें थीं और तलवार का प्रयोग होता था। लेकिन जब मैं भजन 3 पर पहुँचूँगा तो मैं इसके बारे में और अधिक बात करूँगा और कैसे विश्वास और साधन एक साथ चलते हैं।

मुझे लगता है कि यह उस समय के लायक है। आप जानते हैं, ब्रूस, मैं जिस चीज के बारे में सोचता हूँ, कैसे करें, आप जानते हैं, हम इस समय एक प्रतिकूल माहौल में नहीं रहते हैं, वैसे भी, एक बड़ी लड़ाई चल रही है, आप जानते हैं, इस प्रकार के चीजें। तो, हम, लेकिन हमारे पास अन्य प्रकार की लड़ाइयाँ हैं, आप जानते हैं।

मैं लाभकारी रोजगार से जूझते हुए यहाँ आ रहा हूँ, ठीक है? किस बात से जूझना? लाभकारी रोजगार। यहाँ एक अत्यधिक प्रतिभाशाली, कुशल अंतरराष्ट्रीय वकील है जो अंतरराष्ट्रीय कंपनियों के साथ लेनदेन करता है, लेकिन अब तेल पैच खत्म हो गया है। और उसके पास काम नहीं है।

और बिल, वह युवा लड़का, उसका व्यवसाय वस्तुतः अर्थव्यवस्था के कारण पतन की ओर बढ़ रहा है। तो यहाँ एक संघर्ष है, एक लड़ाई है, यहाँ कुछ चल रहा है। यह कुछ इस तरह है, यह सब एक वास्तविक लड़ाई के बारे में बात कर रहा है।

लेकिन अन्य प्रकार की लड़ाइयाँ भी हैं जो शारीरिक नहीं हैं। वे परिस्थितियों से निपट रहे हैं। और यह आज एक बड़ी चुनौती है।

लोगों को प्रोत्साहन की जरूरत है। वे, आप जानते हैं, आप इस प्रकार की स्थितियों में कहाँ जाते हैं? सही। और इस प्रकार की परिस्थितियाँ भी, यहीं हमें होठों पर प्रशंसा और दिल में विश्वास के साथ उनका सामना करना पड़ता है।

भगवान वफादार है। हम दूसरे श्लोक की ओर मुड़ते हैं, स्वर्ग में महिमा और पृथ्वी पर नश्वर शासन में वैभव। दूसरा छंद एक वैकल्पिक समानांतर है क्योंकि एक वैकल्पिक समानांतर विश्वास को मजबूत और विस्तारित करता है।

सबसे पहले, देश का निर्माता और शासक के रूप में 'मैं हूँ' का उत्सव अब सीमित हो गया है, और जब मैं विचार करता हूँ, तो हमारे लोगों से लेकर 'मैं' तक में परिवर्तन होते हैं। उन्होंने स्वर्ग के बारे में बात की है और अब विशेष रूप से स्वर्ग में स्थित चंद्रमा और सितारों के बारे में। और अब दुश्मन के खात्मे से लेकर धरती पर राज करने तक.

तो, पहला भाग लोगों की, नम्र लोगों की प्रार्थना है। और अब यह प्रभु ही हैं जो नीचे झुकते हैं और नश्वर की देखभाल करने के लिए उनसे मिलने आते हैं। पहले श्लोक में सृष्टि के क्रम में, स्वर्ग पर राजसी वैभव का कितना राजसी वर्णन किया गया है।

और मुक्ति के क्रम में, उत्तर दी गई प्रार्थना के माध्यम से राजसी वैभव। दूसरे श्लोक में, भगवान के नाम की महिमा उनके चंद्रमा और सितारों की राजसी महिमा है। और मुक्ति के क्रम में, यह नम्र लोगों की देखभाल के माध्यम से राजसी वैभव है।

तो, पहले श्लोक में, वे प्रार्थना में हैं। दूसरे श्लोक में, भगवान उनकी देखभाल कर रहे हैं। वह उनसे मिलने जा रहा है।

वह उन्हें याद कर रहा है और वह उन्हें शासक बना रहा है। तो, यह एक प्रकार की समानता है जो आपको दो दृष्टिकोण देती है। वे प्रार्थना में हैं और वह उनसे मिल रहे हैं और उनकी मदद कर रहे हैं।

आइए फिर देखें, हमारे पास यहां दूसरे श्लोक में तीन भाग हैं। रात में स्वर्ग में हमारी यह महिमा होती है। और फिर हमारे पास है, वह नश्वर लोगों की मदद करने के लिए झुक गया।

वह श्लोक तीन और चार में है। श्लोक पाँच और उसके बाद अगले श्लोक में, वह नश्वर को शासन करने के लिए ताज पहनाता है। अगली यात्रा नश्वर को शासन करने के लिए ताज पहनाती है।

और फिर हमें बताया गया कि नश्वर नियम क्या हैं। तो, सबसे पहले, हमारे पास नश्वर का ताज है। तब हमारे पास नश्वर का शासन है।

और फिर हमारे पास इन निम्नलिखित यात्राओं में नश्वर नियम क्या हैं। सबसे पहले, रात के आकाश में स्वर्ग की महिमा, जब मैं आपके स्वर्ग, आपकी उंगलियों के काम, चंद्रमा और सितारों पर विचार करता हूँ, जिन्हें आपने स्थापित किया है। यह कहता है, इसके बारे में सोचें, जब मैं विचार करता हूँ तो विचार करें, जब मनुष्य तारों से भरे आकाश के असीमित विस्तार को देखता है, तो भगवान और मनुष्य के बीच का अंतर अपने पूरे परिमाण में प्रकट होता है।

जब मैं विचार करता हूँ तो उस अंतर का सारा विरोधाभासी गुण प्रकट हो जाता है। आप रात के आकाश को देखते हैं और आपको एहसास होता है कि यह उससे बिल्कुल अलग है जो हम हैं। आपका स्वर्ग, आपकी उंगलियों का काम, ध्यान दें भगवान मालिक है।

यह उसकी उंगलियों का काम है. वह सृष्टि का स्वामी है। यह उसका उत्पाद है.

और जब यह कहता है, आप इसे यथास्थान स्थापित करें, तो इसका मतलब है कि यह स्थायी है। यह दृढ़ है. लेकिन अब पूरी सृष्टि का यह महान ईश्वर, मात्र नश्वर प्राणियों की मदद के लिए आगे आता है।

तो, वह सवाल उठाते हैं कि मात्र नश्वर क्या है? हिब्रू वह देने जा रहे हैं। मात्र नश्वर क्या है? कि आप उसके प्रति सचेत हैं, एक आम इंसान हैं कि आप उसकी परवाह करते हैं। हम शब्द दर शब्द चलते हैं।

हिब्रू में मनुष्य के लिए चार शब्द हैं जिनका अनुवाद किया गया है, जो सामान्यतः जिसे हम मानव जाति कहते हैं उसे संदर्भित करते हैं। एक शब्द है एनोश, जो मनुष्य और उसकी कमजोरी की बात करता है। तभी सेठ ने एनोश को जन्म दिया, जो मानवीय कमजोरी थी।

तभी मनुष्य ने प्रभु का नाम पुकारना शुरू किया। अब आप समझ गए हैं कि उन्होंने भगवान का नाम क्यों पुकारना शुरू किया, क्योंकि यह दर्शाता था कि वह मनुष्य की कमजोरी को पहचानता है। वह एनोश है।

एडम सामान्यतः मनुष्य को संदर्भित करता है। ईश, जैसा कि मैंने कहा, हमारे पास व्यक्तिगत रूप से कोई था। और फिर गेबोर ताकतवर आदमी है।

तो, आपको इन चार शब्दों से अवगत होना होगा। इस मामले में, गेबोर पर्याप्त है और एनोश कमजोर है। इसलिए वह इसका उपयोग करता है।

यह कैसा कमजोर आदमी है कि तुम उसका ख्याल रखते हो? ब्रेवार्ड चिल्ड्स का कहना है कि दिमागदार, ईश्वर के स्मरण का सार, ब्रेवार्ड चिल्ड्स पिछली प्रतिबद्धता के कारण किसी के प्रति अपने अभिनय में निहित है। कहने का तात्पर्य यह है कि आप उसे याद करते हैं। मैं समझता हूँ कि इसका मतलब यह है कि उसे याद है कि उसने मनुष्य को पृथ्वी पर शासन करने के लिए नियुक्त किया था।

इसलिए, वह उसके प्रति सचेत है क्योंकि उसने मनुष्य को यही आदेश दिया है कि वह अपनी सृष्टि पर शासन करे। और फिर वह कहता है, मनुष्य का पुत्र क्या है? और यह एक संपूर्ण चर्चा है, लेकिन मुझे लगता है कि इसका सीधा सा अर्थ है मनुष्य होना। यहीं पर हम इब्रानियों की पुस्तक पर पहुँचते हैं।

मैं इस समय उसमें नहीं पड़ना चाहता। यह कहता है, अय्यूब, यदि चन्द्रमा भी उजियाला न हो, और तारे भी उसकी दृष्टि में पवित्र न हों, तो वह नश्वर, एक एनोश, जो केवल एक भुनगा, एक मनुष्य, एक बेन ही क्यों न हो एडम, यहाँ जैसा ही शब्द है, जो केवल एक कीड़ा है। मैं इसे उसी के साथ जाने दूँगा।

अब हम आते हैं, आप उसके प्रति सचेत थे। तुम्हें उसकी परवाह है। और यहीं से हमें यह विचार मिलता है।

वह अपने लोगों की याचिकाओं को पूरा करने के लिए नीचे झुकता है। हिब्रू शब्द पकाड है। यात्रा का अर्थ किसी की स्थिति पर सावधानीपूर्वक ध्यान देना और उचित कार्य करना है।

इसका मतलब यह नहीं है, अगर पुराने राजा जेम्स ने मिलने के लिए कहा, कि तुम मुझसे मिलने आओ, तो मेरे लिए दौरे का मतलब होगा, मुलाकात करना, किसी की उपस्थिति में आना। इसका मतलब यह नहीं है। एनआईवी कभी-कभी सहायता के लिए आने के लिए क्रिया का प्रतिपादन करता है।

जब भगवान ने अपनी मानवीय छवि, सृष्टि के नियम को समर्पित किया, तो उन्होंने उन्हें नहीं छोड़ा। स्पष्ट रूप से अपने उप-प्रधान की स्थिति पर सावधानीपूर्वक ध्यान देने और उचित कार्य करने से, वह उन लोगों से मुक्ति पाता है जो बच्चों जैसी नम्रता से उस पर निर्भर होते हैं। उन्होंने हमें शासन करने के लिए कहा और जो लोग उन पर निर्भर हैं, वह उनसे मिलते हैं, वह स्थिति को समझते हैं और वह उन्हें वह करने में सक्षम बनाने के लिए आते हैं जिसके लिए उन्हें नियुक्त किया गया था।

आइए इस पर थोड़ा विचार करें। मनुष्य क्या है? हम मनुष्य के बारे में कैसे सोचते हैं? आप अपने बारे में कैसे सोचते हैं यह आपके अस्तित्व के लिए मौलिक है। यही बात मैं यहां उठा रहा हूं।

एमिल ब्रूनर कहते हैं, सभी आध्यात्मिक शक्तियों में सबसे शक्तिशाली मनुष्य का स्वयं के प्रति दृष्टिकोण है। यदि आप अपने आप को एक जानवर के रूप में सोचते हैं, तो आप क्रूर व्यवहार करेंगे। आप अपने बारे में क्या सोचते हैं? जिस प्रकार वह अपने स्वभाव और अपनी नियति को समझता है।

दूसरे शब्दों में, यदि आप समझते हैं कि आप ईश्वर की रचना हैं और आपका भाग्य स्वर्ग है, तो यह आपके द्वारा यहां क्या करना है, आपको कैसा व्यवहार करना चाहिए, इस बारे में आपके विचार को पूरी तरह से बदल देगा। इसलिए आप कौन हैं, इसकी आपकी समझ आपके संपूर्ण व्यवहार और धर्मशास्त्र के लिए मौलिक है। वास्तव में, यह एक ऐसी शक्ति है जो मानव जीवन को प्रभावित करने वाली अन्य सभी शक्तियों को निर्धारित करती है।

मुझे लगता है कि यह अतिरंजित है। मुझे लगता है कि आप ईश्वर के बारे में जो सोचते हैं वह पूरी तरह से महत्वपूर्ण है, लेकिन मुझे लगता है कि वह यह कहना चाह रहा है कि वह पूरी तरह से महत्वपूर्ण है। तो हम अपने बारे में कैसे सोचते हैं? मनुष्य क्या है? यह दिलचस्प है क्योंकि रहस्योद्घाटन के बिना, विचारशील लोग स्वयं हमें बदनाम करने लगते हैं।

अरस्तू के लिए, उन्होंने मनुष्य को एक राजनीतिक जानवर के रूप में परिभाषित किया। मैं जितना अधिक इतिहास को देखता हूं, मुझे समझ में आता है। दूसरे शब्दों में, जो चीज़ इंसानों को अलग करती है, वह यह है कि हम एक-दूसरे को अपनी स्थिति समझाने की कोशिश में लगे रहते हैं।

मुझे नहीं लगता कि जानवर ऐसा करते हैं। वे बस एक-दूसरे को मारते हैं, लेकिन हम राजनीतिक जानवर हैं जो किसी प्रकार के नियम पर आम सहमति बनाने की कोशिश कर रहे हैं। इस तरह उन्होंने इसे परिभाषित किया, लेकिन यह एक जानवर था, एक राजनीतिक जानवर।

एडमंड बर्क के लिए, हम एक धार्मिक जानवर हैं। तो, मैं आपको ये अलग-अलग परिभाषाएँ देता हूँ। तो, खैर, मैंने शोपेनहावर से शुरुआत की।

वह एक निराशावादी दार्शनिक थे। मैंने उनके साथ शुरुआत की और शोपेनहावर एक बार पार्क की बेंच पर बैठे थे। वह एक निराशावादी दार्शनिक थे।

बाल पूरे बिखरे हुए, सूट पूरा मुड़ा हुआ, एक जूता उतार दिया हुआ। एक पार्क परिचर ने उससे कहा, तुम कौन हो? उन्होंने कहा, मैं भगवान को जानता था। उसे कोई अंदाज़ा नहीं था कि वह कौन है।

रहस्योद्घाटन के अलावा उसे कोई जानकारी नहीं थी। फिर मैं अरस्तू जैसे एक राजनीतिक जानवर के बारे में बात कर रहा हूँ। एडमंड बर्क के लिए, वह जानवरों का उपयोग करने वाला एक उपकरण है, लेकिन वे सभी उन्हें एक जानवर और विभिन्न परिभाषाओं के रूप में परिभाषित करते हैं।

तो, आपको वह मिल गया। और गिल्बर्ट के लिए, निस्संदेह सुलिवन की स्वीकृति के साथ, उन्होंने अपने प्रसिद्ध गीतों में से एक में कहा, वह प्रकृति की एकमात्र गलती है। यह सुलिवन की स्वीकृति के साथ डाउटलेस वाला गिल्बर्ट है।

रॉबर्ट लुई स्टीवेन्सन के लिए, वह एक शैतान है लेकिन कुछ उदार मान्यताओं से कमजोर रूप से बंधा हुआ है। बहुत ही नकारात्मक दृष्टिकोण, लेकिन कुछ उदार मान्यताओं से बंधा हुआ। यही उनका विचार था।

ईआर विल्सन के लिए, हमने अपनी गरिमा खो दी है। मनुष्य ने अपनी गरिमा खो दी है। जब हमने कोपर्निकन क्रांति में अपना पता खो दिया तो हमने अपनी गरिमा खोना शुरू कर दिया।

हमें नहीं पता कि हम कहां हैं। इसलिए, जब फ्रायड को पता चला कि हम अपने घरों में भी स्वामी नहीं हैं, तो हमने और अधिक गरिमा खो दी। हम उनके द्वारा प्रस्तावित इस आईडी से शासित होते हैं।

तो, हम वो भी नहीं हैं। कुछ साल पहले जब आईबीएम के बिग ब्लू ने हमारे शतरंज चैंपियन कार्पोज़ोव को हरा दिया था, तब हमने सारी गरिमा खो दी थी। इसलिए हमने सारी गरिमा खो दी है।'

तो, हम एक जानवर से शैतान बन गए, कमज़ोर बेड़ियों में जकड़े हुए, और अब हमारे पास कोई भी गरिमा नहीं है। मैं उत्कृष्ट विचारकों को उद्धृत कर रहा हूँ। इसी तरह वे इसे परिभाषित करते हैं।

दाऊद यों कहता है, तू ने उसे महिमा और आदर का ताज पहनाया है। कितना अलग दृष्टिकोण है और यह उस दृष्टिकोण के साथ आपके जीने के तरीके को कैसे बदल देगा। आप हर चीज़ पर शासन करने के लिए बने हैं।

1952 में महारानी एलिजाबेथ की ताजपोशी के समय सीएस लुईस ने जो कहा था वह मुझे पसंद है। उन्होंने कहा कि उनके युवा और अनुभवहीन सिर पर उस विशाल और भारी ताज को रखना पूरी मानवता का प्रतीक है। उस ईश्वर ने हमें शासन करने के लिए ताज पहनाया है और हम अनुभवहीन हैं और हम युवा और अक्षम हैं।

इसका अंत यह है कि हमें शासन करने में सक्षम बनाने के लिए ईश्वर की आवश्यकता है। तो, एल्मर मार्टिन, उनकी पुस्तक, गॉड डिज़ाइन, वे कहते हैं, यदि आप एक से 10 के पैमाने के बारे में सोचते हैं, और भगवान एक संख्या 10 है और जानवर एक संख्या है, एक, पैमाने पर, क्रूर जानवर, एक, भगवान 10, मनुष्य आठ या नौ है, स्वर्गदूतों से थोड़ा कम। लेकिन हम इब्रानियों की किताब में यीशु को स्वर्गदूतों से भी ऊपर महिमा और सम्मान का ताज पहने हुए देखते हैं।

यह नया है, जब आप इन सांसारिक दार्शनिकों के खिलाफ भजन गाते हैं, तो यह मेरे लिए अपनी पूरी महिमा में चमकना शुरू कर देता है। इसलिए, मैंने उसमें से कुछ डेटा आपके लिए रखा है। अब उसने सारी पृथ्वी पर शासन करने के लिए मनुष्यों को ताज पहनाया।

और यहां हमारे पास दो भाग हैं। नश्वर लोगों को वैभव का ताज पहनाया जाता है और उन्हें शासन करने के लिए नियुक्त किया जाता है। तो, आपने उसे स्वर्गीय प्राणियों से एक छोटी सी चीज़ की कमी कर दी।

अब स्वर्गीय प्राणियों पर बहस चल रही है। यहां हिब्रू शब्द एलोहिम है और कई अनुवादों में यह है। आपने उसे भगवान से थोड़ा कमतर बना दिया।

लेकिन एलोहीम का मतलब स्वर्गीय प्राणी हो सकता है। जब सैमुअल जमीन से बाहर आया तो ये मनोविज्ञानी, एंडोर की चुड़ैल। उसने कहा कि मैं एक एलोहीम, एक दिव्य प्राणी को ज़मीन से बाहर आते हुए देख रही हूँ।

इसका मतलब एक दिव्य प्राणी हो सकता है। एंडोर की चुड़ैल की कहानी के बारे में दिलचस्प बात यह है कि चुड़ैल देखती है, लेकिन वह कुछ भी नहीं सुनती है। और सैमुअल सुनता है, लेकिन उसे कुछ भी दिखाई नहीं देता है, जो आपको बताता है कि आप एक परामनोवैज्ञानिक अवस्था, किसी प्रकार की आध्यात्मिक स्थिति में हैं।

यह भौतिक नहीं है क्योंकि एक देख सकता है और दूसरा नहीं देख सकता। एक सुन सकता है और दूसरा नहीं सुन सकता। जो लोग शाऊल के साथ थे उनके मिशन के अनुसार, उन्होंने न तो कुछ देखा और न ही कुछ सुना।

तो, हम उस तरह की कहानी में एक अलग आध्यात्मिक क्षेत्र में हैं। वैसे भी तुमने उसकी कमी पूरी कर दी। तो, एलोहिम का अर्थ स्वर्गीय प्राणी हो सकता है।

यह कोई निर्णायक तर्क नहीं है, लेकिन आप सोचेंगे, चूँकि वह कह रहा है कि आपने उसे बनाया है, तो आप उससे यह कहने की अपेक्षा करेंगे कि आपने उसे अपने से थोड़ा कमतर बनाया है। उदाहरण के लिए, यह दूसरे व्यक्ति से तीसरे व्यक्ति में क्यों बदल जाता है? तो, सेप्टुआजिंट, ये स्वर्गीय प्राणी कौन हैं, इसका अनुवाद स्वर्गदूतों ने किया।

मैं सोचता हूँ कि इब्रानियों में ऐसा ही होता है। मुझे लगता है कि यह एक अच्छा अनुवाद है। मुझे लगता है यही विचार है।

तुमने उसे स्वर्गीय प्राणियों से थोड़ा कमतर बना दिया है। इसके अलावा, यह स्तोत्र उत्पत्ति 1 के बारे में सोच रहा है, लेकिन यह मुझे बहुत दूर ले जाएगा। तो, अगर मैं ऐसा करूँ तो हम भजन का काम पूरा कर लेंगे।

ठीक है। तो, मैं आपको 1 सैमुअल परिच्छेद से उद्धरण देता हूँ। और फिर वह कहता है, और तू ने उसे महिमा का ताज पहनाया।

अर्थात् गौरव का अर्थ है सामाजिक वजन और सम्मान के साथ। और मैं इसे वहाँ छोड़ दूँगा। अब जिन प्राणियों को ताज पहनाया गया है, उन्हें अब पूरी पृथ्वी पर शासन करने के लिए नियुक्त किया गया है।

उसने उन्हें ताज पहनाया और अब पृथ्वी पर शासन करने के लिए आयोग आया है। तू ने उन्हें अपने हाथों के काम पर प्रभुता करनेवाला ठहराया। आपने सब कुछ उनके पैरों के नीचे रख दिया।

यह उस समय की एक व्याख्या है जब भगवान ने कहा, कार्यों पर शासन करो, अपने हाथों के काम पर शासन करो की एक व्याख्या है और उन्हें मछली और हर चीज पर शासन करने दो। जब यह कहता है कि उनके पैरों के नीचे रख दो, तो यह गद्य वश में करने के बराबर है। जब यह सब कुछ कहता है, तो इसमें साँप और अजगर भी शामिल हैं।

आपको हर चीज़ को अपने पैरों के नीचे रखना होगा, जिसमें राक्षस, साँप, अजगर, शैतान, हर बुरी चीज़ शामिल है, हर चीज़ को उसके पैरों के नीचे रखना होगा। इसके अलावा धार्मिक चिंतन, ठीक है, मैं वहाँ अंत में जोड़ता हूँ, वश में करना या शासन करना, उन्हें अपने पैरों के नीचे रखना, का अर्थ है कि नश्वर को प्राणियों पर प्रभुत्व हासिल करने के लिए, रथ को खींचने के लिए घोड़े पर, भगवान पर प्रभुत्व हासिल करने के लिए संघर्ष करना होगा। खेत जोतने के लिये बैल, दूध और

ऊन देने के लिये भेड़-बकरियों के ऊपर। तो, इसे अपने पैरों के नीचे रखने और इसका उपयोग करने का अर्थ है संघर्ष करना, काम करना, काम करना।

यह सही है। और इसे अपने पैरों के नीचे रखें और सब कुछ दोनों रखें, और हम इस बारे में अधिक बात करेंगे कि मानव जाति क्या नियम बनाती है। धार्मिक चिंतन.

मैं कहता हूं, यह एक विस्तार है, उत्पत्ति 1 में सांस्कृतिक आदेश का एक काव्यात्मक विस्तार, जहां भगवान ने मनुष्य को बनाया और उससे कहा कि वह हर चीज को अपने अधीन कर ले, हर चीज को अपने प्रभुत्व में ले आए। यह अब उसे कविता में डाल रहा है। तो यह सांस्कृतिक आदेश का प्रतिबिंब है।

जैसा कि मैं देखता हूं, सांस्कृतिक अधिदेश के दो भाग हैं। एक है भौतिक संसार, मछली, बैल, हर चीज़ को वश में करना, जैसा कि मैंने कहा, हल चलाने के लिए बैल और खींचने के लिए घोड़ा इत्यादि। लेकिन मुझे लगता है कि इसमें आध्यात्मिक दुनिया भी शामिल है क्योंकि उत्पत्ति 3 में, हम साँप से मिलते हैं और उन्हें साँप को अपने पैरों के नीचे लाना चाहिए था।

लेकिन हुआ यह कि साँप ने उन्हें अपने पैरों के नीचे ला दिया। यह एक आध्यात्मिक युद्ध था जिसे वे हार गए क्योंकि हम मांस और रक्त के खिलाफ नहीं, बल्कि रियासतों और शक्तियों के खिलाफ लड़ रहे हैं। हमसे लड़ने वाले शत्रु, आध्यात्मिक शत्रु ईश्वर के अलावा हमारी अपनी आत्माओं से भी अधिक शक्तिशाली हैं।

वे लड़ाई हार गए क्योंकि उन्होंने यह काम अपनी ताकत से किया था। हम अपनी ताकत से जीत नहीं सकते। यही तो बात है।

हमें भगवान पर निर्भर रहना होगा. तो, भौतिक क्षेत्र में, हमने जो हासिल किया है वह बिल्कुल आश्चर्यजनक है। मेरा मतलब है, यह आश्चर्यजनक है।

और इसलिए, मैं बस कुछ क्षेत्रों को सूचीबद्ध करता हूं, संचार को देखता हूं। मेरा मतलब है, मैं दुनिया भर के छात्रों से कहीं अधिक, कहीं अधिक संवाद और बिल करता हूँ। देखिए हम यहां बाइबिल प्रशिक्षण के साथ क्या कर रहे हैं।

वह इसे अब कंप्यूटरों पर भेजने जा रहा है, मुझे लगता है, बिल, जो भी हो, पूरी दुनिया में। क्या अद्भुत उपलब्धि है. अब हम आसानी से सुसमाचार का प्रचार कर सकते हैं।

यह बेहतरीन है। हमारा हर जगह तुरंत संपर्क होता है. यह एक अद्भुत उपलब्धि है.

मैं ऊर्जा के बारे में बात करता हूं। मेरा मतलब है, बिजली पैदा करने के लिए पानी का दोहन और अब परमाणु का दोहन, वह जबरदस्त ऊर्जा जिसका हम अब उपयोग कर सकते हैं, दोहन कर सकते हैं, और जो हमारे शहरों और हजारों घरों को रोशन करती है। मेरा मतलब है, सौ साल पहले, उनके पास यह नहीं था।

खैर, वे इसे बिजली या दवा के साथ अभी शुरू कर रहे हैं। हमने पोलियो को खत्म कर दिया है। हमने अपनी चिकित्सा या यात्रा से मानव जीवन को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ाया है।

हम ध्वनि की गति से यात्रा करते हैं। ठीक सौ साल पहले, राइट बंधुओं, यदि आप राइट बंधुओं पर काला की किताब पढ़ते हैं, तो सौ साल से थोड़ा अधिक पहले, वे 30 फीट तक उड़ते थे। और अब।

यदि आप स्मिथसोनियन जाते हैं, यदि आप कभी वाशिंगटन जाते हैं, तो मैं आपको आश्वासन देता हूं, स्मिथसोनियन और राइट संग्रहालय जरूर जाएं। क्या आप वहाँ है? और उसी कमरे में, आपके पास राइट बंधु हैं और आपके पास 70 वर्षों की अवधि में यह अपोलो अंतरिक्ष यान है। संचार, ऊर्जा और चिकित्सा में मनुष्य जो हासिल कर सकता है वह अभूतपूर्व है, लेकिन आध्यात्मिक रूप से पूरी तरह से असफल होने पर, हम जो भी अच्छा उत्पादन करते हैं वह हमारे खिलाफ हो जाता है।

तो अब इंटरनेट पर हमारे संचार में, अश्लील साहित्य है जो परिवारों को नष्ट कर रहा है, युवाओं को नष्ट कर रहा है। तो, जब आप इसे खोलते हैं, तो आपको रूस में वेश्याएं खुद को आपके सामने पेश कर सकती हैं। यह अविश्वसनीय है कि इस पर बुराई आ रही है और घरों को नष्ट कर रही है और लोगों को नष्ट कर रही है।

मैं यह देखकर आश्चर्यचकित हूं कि मैंने कितने झूठ पढ़े। अक्सर धुर दक्षिणपंथी, वे सिर्फ बातें बनाते हैं, और बायीं ओर से भी, लेकिन यह सिर्फ झूठ से भरा होता है। आपको हमेशा इसकी जांच करनी होगी।

क्या यह सच है या सच नहीं? तो, यह बुराई से भरा है। आप ऊर्जा की बात करते हैं। ठीक है, परमाणु बम, हम ऊर्जा का उपयोग करते हैं, लेकिन देखो यह क्या कर सकता है।

यह मानव जाति का विनाश कर सकता है। जैसा कि मैं पिछली रात कह रहा था, फ्लोरिडा के तट पर एक हाइड्रोजन बम विस्फोट करें, इससे पूरे राज्य में 400 फीट ऊंची सुनामी लहर आएगी। वह भयानक है।

परिणामस्वरूप हम भय में रहते हैं। चिकित्सा, हमने अद्भुत इलाज किया है, लेकिन हम जैविक युद्ध से डरते हैं। हम अपने रसायनों और रसायनों के बारे में अपने ज्ञान के माध्यम से मानव जाति का विनाश कर सकते हैं।

हर चीज़ हमारे खिलाफ़ हो जाती है। हमारी यात्रा, हम उन्हें रॉकेट पर रख सकते हैं, लेकिन हम रॉकेट के अंत में हाइड्रोजन बम रख सकते हैं। हम उत्तर कोरिया के बारे में चिंतित हैं और वे बुरे आदमी के साथ क्या करेंगे।

तो, परिणाम यह है कि शारीरिक रूप से तो हमने अपना काम पूरा कर लिया है, लेकिन आध्यात्मिक रूप से हम बुरी तरह विफल रहे हैं। तो, हमारे सभी अच्छे बूमरैंग हमारे खिलाफ़ हैं। मुझे लगता है कि यह हमारे विचार के लायक है।

अब हमारे पास है, मैं पृष्ठ 102 के मध्य में जाऊंगा, शासित प्राणी, सभी झुंड और झुंड और जंगली जानवर, आकाश में पक्षी, समुद्र में मछलियाँ, और वह जो समुद्र के रास्ते में तैरता है। मैं ज़मीन के प्राणियों, सभी भेड़-बकरियों और गाय-बैलों इत्यादि, जंगली जानवरों पर ध्यान देता हूँ। तो, दूसरे शब्दों में, इसमें स्वच्छ और अशुद्ध शामिल हैं।

जंगली जानवर अशुद्ध हैं। भेड़-बकरियाँ और गाय-बैल साफ-सुथरे हैं। तो, यह एक विभज्योतक है, सभी पालतू और जंगली।

लेकिन फिर यह कहता है, आकाश में पक्षियों के लिए चलता है और पक्षी और मछली एक साथ चले गए, हमारी रचना। लेकिन अब ध्यान दें कि यहां क्या होता है। दूसरे शब्दों में, सभी झुण्ड और झुण्ड, वे जीवन उत्पन्न करते हैं।

जंगली जानवर, वे मृत्यु उत्पन्न करते हैं। अब आकाश में पक्षी, समुद्र में मछलियाँ, यही जीवन है। वे जीवन का निर्माण करते हैं।

लेकिन वह जो समुद्र के रास्ते तैरता है, मुझे लगता है कि वह लेविथान, दुष्ट, बुराई का प्रतीक है। वह मृत्यु, जंगली और मृत्यु के जानवरों से मेल खाता है। तो, यह कहने का एक तरीका है कि हमें जीवन की शक्तियों और मृत्यु की शक्तियों पर शासन करना चाहिए।

मूलतः, अन्य सभी बहुवचन हैं, लेकिन जो समुद्र के रास्ते तैरता है वह एकवचन है। एकवचन. मैं हवा और पानी के जीवों के बारे में बात करता हूँ।

आप क्या सोचते हैं कि लेविथान क्या है? यह शैतान के लिए भाषण के एक अलंकार के समान है। हाँ, मुझे लगता है कि लेविथान के संदर्भ में वे महान समुद्री राक्षसों का उल्लेख करते हैं। लेकिन मुझे लगता है कि यह ग्रीक से आया है, ठीक है, ग्रीक पौराणिक कथाओं में कोई नहीं है, मेरा मतलब है, कनानी पौराणिक कथाओं में, लेविथान बुराई का प्रतिनिधि है।

वह अराजकतापूर्ण और दुष्ट है। विषय पुनः दोहराया गया है। तो, मैं जो सम्मिलित हूँ, आपका नाम कितना राजसी है, भजन की सीमा निर्धारित करता है और इसके विषय को ध्वनि देता है।

शेष भजन उस विषय को दो छंदों में विकसित करता है। परन्तु ध्यान दीजिए कि परमेश्वर सारी पृथ्वी पर किस प्रकार प्रतापी है। वह सीधे तौर पर सृजन में राजसी है, लेकिन वह अपने लोगों के माध्यम से मध्यस्थता के माध्यम से मुक्ति के क्रम में राजसी है।

तो इसलिए, हाँ, वह हमारे माध्यम से राजसी है क्योंकि ऐसा लगता है मानो वह मनुष्य की प्रशंसा कर रहा है, लेकिन वास्तव में, मनुष्य उसका एजेंट है और वही हम हैं। हम यहां सभी चीजों को अपने पैरों के नीचे लाने के लिए हैं, जीवन और मृत्यु, अच्छाई और बुराई दोनों, और हम जीतेंगे क्योंकि हमारा भगवान असफल नहीं होगा। खैर, वह भजन 8 है। यह एक महान भजन वाक्यांश है।

यह भजन की पुस्तक पर अपने शिक्षण में डॉ. ब्रूस वाल्टके हैं। यह सत्र संख्या 10, भजन 8, प्रशंसा का एक भजन है।